

PRATITYASAMUTPADA GATHA 46x ॥३॥ इक्षुके द्वारा देवता की अपेक्षा निर्मल और शुद्ध होने की उम्मीद की जाती है। इक्षुके द्वारा देवता की अपेक्षा निर्मल और शुद्ध होने की उम्मीद की जाती है। इक्षुके द्वारा देवता की अपेक्षा निर्मल और शुद्ध होने की उम्मीद की जाती है।